लोक अदालत | आसान, तेज और आपसी सहमति से न्याय दिलाने की दिशा में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

एक दिन में सुलझे 1 .70 लाख से अधिक प्रकरण

जबलपुर। आसान, तेज और आपसी सहमति से न्याय दिलाने की दिशा में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया था। प्रदेश में आयोजित नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में पेंडिंग 61580 प्रकरणों को निराकरण किया गया। इसी प्रकार प्री-लिटिगेशन के 110771 का निराकरण आपसी सहमति से करते हुए 9 अरब 65 करोड रुपये का अवार्ड पारित किया गया।

नेशनल लोक अदालत के लिए पूरे मध्य प्रदेश में कुल 1427 बेंच स्थापित की गयी थी। जिसमें हाई कोर्ट की 07 बेंचें जबलपुर की मुख्य पीठ सहित इंदौर और ग्वालियर की खंडपीठ में आयोजित की गयी थी। प्रदेश के अन्य जिलो व तहसील 1420 बेंच स्थापित की गयी थी। नेशनल लोक अदालत में सिविल झगड़े, क्रिमिनल कंपाउंडेबल, मोटर एक्सीडेंट क्लेम, शादी और परिवार के झगड़े, नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के सेक्शन 138 के तहत चेक डिसऑनर के मामले, बैंक रिकवरी के मामले, लेबर के झगड़े, यूटिलिटी और टेलीफोन सहित अन्य मामले और आपसी सहमति से सुलझाए गये। नेशनल लोक अदालत का आयोजन मध्य प्रदेश स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के पैटर्न-इन-चीफ व हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अल्पेश वाई. कोगजे तथा एग्जीक्यूटिव सदस्य जस्टिस विवेक रूसिया मार्गदर्शन में किया गया। नेशनल लोक अदालत का उद्घाटन हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जस्टिस विशाल धगत और जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। मुख्यपीठ से नेशनल लोक अदालत का मध्य प्रदेश में 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन पेंडिंग लिटिगेशन के बोझ को कम करने, विवादों का जल्दी समाधान करने और आपसी समझौते से सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स की सामूहिक कमिटमेंट को दिखाता है। यह पहल न्याय तक समान पहुंच और सभी के लिए न्याय के संवैधानिक विजन को और मजबूत करती है।

लोक अदालत में फिर जुड़े दो रिश्ते, बिखरे दाम्पत्य में लौटी खुशियां

नेशनल लोक अदालत में आपसी समझाइश और संवाद से लंबे समय से अलग रह रहे दंपतियों के रिश्ते फिर जुड़ गए। धंतीबाई और जितेन्द्र के बीच चल रहे वैवाहिक विवाद में न्यायाधीश रेणू खेस ने दोनों को समझाइश दी। बातचीत के बाद दोनों ने पुराने मतभेद भुलाकर साथ रहने पर सहमति जताई। पति जितेन्द्र पत्नी धंतीबाई को सम्मानपूर्वक साथ ले जाने के लिए तैयार हुए और दोनों ने नए सिरे से दाम्पत्य जीवन शुरू करने का निर्णय लिया। वहीं करीब छह वर्ष से अलग रह रहे सोहन और प्रीति ने भी लोक अदालत में अपने मतभेद खत्म कर साथ रहने का फैसला किया। न्यायाधीश श्रीमती दीपा पॉल की मौजूदगी में दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान दोनों के परिजन, अधिवक्ता और न्यायालयीन स्टाफ मौजूद रहे। दोनों दंपतियों के पुनर्मिलन से लोक अदालत में माहौल भावुक होने के साथ खुशी से भर गया।

अज्ञात वाहन ने कुचला, युवक की मौत

जबलपुर। लार्डगंज में शनिवार दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सूरज रैकवार निवासी दुर्गानगर ग्वारीघाट ने सूचना दी कि वह टाईल्स का काम करता है दोपहर लगभग 12-30 बजे उसके बड़े भाई शिवा रैकवार को लार्डगंज में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसे गंभीर चोटें आ गई। घायल को आनन-फानन में उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर ने चैक कर शिवा रैकवार 26 वर्ष निवासी दुर्गानगर ग्वारीघाट को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

Digital India Power To Empower | CSC e-Governance Services India Limited, | CSC Your Trusted Neighbourhood Kiosk

"Applications Invited for District Coordinator (DC) Posts"

Applications are invited from eligible candidates for engagement as District Coordinators (DCs) on a contractual basis for the following districts in Madhya Pradesh:

District-wise Vacancies (1)
Dhar, Niwari, Damoh, Anuppur, Agar Malwa, Narsinghpur, Gwalior, Alirajpur.

Selection Process
Eligible candidates may apply online through weblink https://csc.gov.in/careers or QR Code →
Shortlisted candidates will be informed separately regarding the date, time and venue of the interview through email/ phone.
✓ **Last date of Application is 28.09.2026**

Scan to Apply Online & View Detailed Eligibility Criteria:

✓ **Disclaimer:** CSC e-Governance Services India Limited reserves the right to modify, postpone or cancel the recruitment process without assigning any reason.

दफ्तरों के गलियारे

किस-किसको बताऊं सच्चाई, कैसे बचाऊं लाज ....

शराब दुकान से महीना वसूली की डील को लेकर शराब दुकान कर्मचारी से बातचीत का जब कांग्रेस के पश्चिम विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक पाठक का ऑडियो वायरल किया गया तो नेता के पैरों तलक जमीन खिसक गई। लिहाजा नेता ने स्पष्ट किया कि ऑडियो में कांटछांट कर पेश किया गया है लेकिन महोदय ने ये कहा कि दुकान के किराए को लेकर रकम की बात की जा रही थी और ये ऑडियो पुराना है जिसने नेता को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया। जबकि वायरल ऑडियो में किराए जैसी कोई बात नहीं की गई है। उसमें तो सिर्फ डीलिंग की बात सामने नजर आ रही है। बात यहीं थमने वाली नहीं थी, मामले ने तूल और उस पकड़ लिया जब ऑडियो में बात करने वाले कर्मचारी ने खुद सामने आकर वीडियो में कहा कि अभिषेक पाठक शराब दुकान को लेकर अनैतिक रुपयों की मांग कर रहे थे। अब सोशल मीडिया से लेकर पूरे पश्चिम विधानसभा में अपनी छवि को बचाने नेता अब सबको सफाई देते नजर आ रहे हैं। नेता ने तो महाराणा प्रताप वार्ड के भाजपा के पार्षद जीतू पर निशाना साधते हुए कह दिया है कि आपसी प्रतिद्वंदता के कारण उनकी छवि पार्षद ने गलत तरीके से धूमिल की है और अब वे पार्षद के खिलाफ मानहानि की तैयारी भी कर रहे हैं।

वायरल वीडियो ने खोली पार्किंग की 'पारदर्शी' व्यवस्था

स्टेशन पार्किंग में अवैध वसूली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो मानो व्यवस्था की पार्किंग ब्रेक ही फेल हो गई। वीडियो ने अधिकारियों तक मामला पहुंचाया तो जिम्मेदारों की क्लास लगी और आनन-फानन में दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। अब कार्रवाई के बाद सवाल भी खड़े हो रहे हैं—जब पार्किंग में सब कुछ 'नियम के मुताबिक' चल रहा था, तो फिर कैमरे में वसूली का खेल कैसे कैद हो गया? वीडियो वायरल होने के बाद हुई कार्रवाई ने निगरानी व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। यानी सोशल मीडिया ने वीडियो दिखाया, अधिकारियों ने कार्रवाई दिखाई और पार्किंग का असली खेल सवालों के बीच रह गया। फिलहाल अवैध वसूली का यह मामला अधिकारियों के गले की ऐसी फांस बना है, जिसे न निगला जा रहा है, न उगला।

पुराना तजुर्बा नए इलाके में दिखा रहा रंग!

तीन सितारा वाले साहब के नए थाने में अभी ठीक से पैर भी नहीं जमे थे कि उन्होंने अपनी फाइल पलटो, लक्ष्मी समेटो वाली पुरानी कला का प्रदर्शन शुरू कर दिया है उनका पुराना तजुर्बा नए इलाके में भी रंग दिखा रहा है! पुलिसिया गलियारों में कानाफूसी हैं कि आते ही साहब के हाथ एक बड़ा और वजनी मामला लग गया है। फिर क्या था? साहब ने तुरंत अपनी थ्री-स्टार दूरबीन निकाली, मामले की गहराई नापी और पर्दे के पीछे एक लंबी डील का ताना-बाना बुन दिया। छर्रे बताते हैं केस चाहे चोरी का हो या सीनाजोरी का, साहब की कलम तभी चलती है जब सामने वाले का बजट उनके पुराने गणित से मैच खा जाए। अब देखना यह है कि साहब का यह नया ठिकाना उनकी इस लंबी डील की गूंज को पचा पाता है, या फिर यह कमाई का गणित किसी दिन ऊपर वालों के रडार पर आ जाता है। फिलहाल साहब की विवेचना जारी है और कानाफूसी का दौर भी!

विवेक दुबे, धनंजय श्रीवास्तव, अजहर खान

50 लाख की ठगी : महाराष्ट्र, केरल टीमें रवाना

जबलपुर। शेयर ट्रेडिंग के नाम पर कमाई का लालच देकर 50 लाख रूपए की साइबर ठगी के मामले में अहम क्लू मिलते ही राज्य साइबर पुलिस महाराष्ट्र और केरल के लिए रवाना हो गई है वहां संभावित ठिकानों पर छापेमारी होगी। जानकारी के अनुसार 42 वर्ष निवासी युवक को 18 जून 2026 को फेसबुक पर चंडीगढ़ सेक्टर 10 निवासी सिमरन शर्मा नाम की एक महिला ने स्वयं को एक लेडीज वेयर गारमेंट टेक्सटाइल कंपनी की मालिक और मैक्सोवाल्ट क्रिप्टो ट्रेडिंग कंपनी की फेंचाइसी मालिक बताकर मैसेंजर के माध्यम से बात की एक हफ्ते में विश्वास जमाने के बाद उनसे क्रिप्टो ट्रेडिंग में अच्छे मुनाफे का प्रलोभन देकर अरविंद बंसल नामक एक व्यक्ति का नंबर सेंड किया और बताया की ये मैक्सोवाल्ट कंपनी मैनेजमेंट के आफिसर है और ट्रेडिंग मेंटर के तौर पर काम करते हैं फिर अरविंद बंसल ने एक ट्रायल ट्रेडिंग के बाद एक ट्रेडिंग वाट्सएप ग्रुप में नंबर एड किया जिसमें पीड़ित के अलावा 4 मेंबर ,कुल 5 ग्रुप मेंबर थे। फेसबुक मैसेंजर पर सिमरन शर्मा नामक महिला ने अपना वाट्सएप नम्बर दिया। इसके बाद बातचीत शुरू हुई। धीरे धीरे धीरे उसने विश्वास जीता। जिसके बाद ट्रेडिंग शुरू हुई। 20 और 30 प्रतिशत कमीशन का लालच दिया गया। इन्वेस्टमेंट कर अधिक मुनाफा का लालच देकर कुल 50,67,579 रुपये की उससे धोखाधड़ी की गई थी। 24 जुलाई 2026 को पीड़ित की शिकायत दर्ज की गई। मामले में साइबर पुलिस को अहम सुराग मिले है । जिसके बाद साइबर टीमें महाराष्ट्र, केरल के लिए रवाना हो गई है जहां आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी होगी। आरोपियों के पकड़े जाने के बाद साइबर फ्रॉड से जुड़े कई नई खुला से होने की उम्मीद है।

अमरकंटक-नर्मदा समेत 26 ट्रेनों में एलएचबी कोच

जबलपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की संरक्षा और आराम को ध्यान में रखते हुए 26 ट्रेनों के 34 रैक में आधुनिक एलएचबी कोच की सुविधा उपलब्ध कराई है। इनमें दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस, बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस, बिलासपुर-भगत की कोठी, बिलासपुर-बीकानेर, बिलासपुर-बक्सर, बिलासपुर- एर्णाकुलम, बिलासपुर- चेन्नई, बिलासपुर-पुणे, रायपुर-कोरबा, बिलासपुर- अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, दुर्ग-निजामुद्दीन संपर्कक्रांति, दुर्ग-जम्मूतवी, दुर्ग-नौतनवा, दुर्ग-कानपुर, दुर्ग-अजमेर, दुर्ग-ऊधमपुर और दुर्ग-निजामुद्दीन हमसफर शामिल हैं। इसके अलावा रायगढ़-गोंदिया जनशताब्दी, कोरबा-इतवारी शिवनाथ एक्सप्रेस, बिलासपुर-नागपुर इंटरसिटी, बिलासपुर-रीवा, बिलासपुर-येलहंका, दुर्ग-अंबिकापुर और अंबिकापुर-शहडोल में भी एलएचबी कोच चल रहे हैं। मजबूत ढांचे और बेहतर सस्पेंशन वाले इन कोचों से झटके-कंपन कम होते हैं, वहीं अधिक बर्थ क्षमता यात्रियों के लिए राहत है। एलएचबी स्लीपर में 80, एसी-3 में 72 और एसी-2 में 62 बर्थ होने से कन्फर्म बर्थ की संभावना भी बढ़ती है।

अचानक झुका जर्जर बिजली का पोल, मकान पर जाकर टिका

▶ केबल बदलते समय हादसा, बाल-बाल बचे राहगीर और कर्मचारी

जबलपुर। शहर के व्यस्त और घनी आबादी वाले इलाके मिलौनीगंज के मुख्य मार्ग पर शनिवार को उस वक्त अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया, जब बिजली विभाग के काम के दौरान एक विद्युत पोल अचानक तिरछा हो गया और सामने स्थित एक मकान से जा टकराया। इस घटना के दौरान पोल पर चढ़ा कर्मचारी और नीचे से गुजर रहे राहगीर बेहद बाल-बाल बच गए। गनीमत रही कि खंभा मकान की दीवार पर टिक गया, वरना एक हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को मिलौनीगंज मुख्य मार्ग पर विद्युत विभाग की टीम द्वारा केबल को बदलने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान विभाग का एक कर्मचारी काम के सिलसिले में बिजली के पोल पर ऊपर चढ़ा। जैसे ही तारों का खिंचाव हुआ, पोल नीचे से कमजोर और जर्जर होने के कारण अपना संतुलन खो बैठा और एक तरफ झुकने लगा। देखते ही देखते पोल सामने बने मकान की ओर जाकर गिर गया। खंभे को अचानक झुकता देख नीचे सड़क पर चल रहे राहगीरों और दुकानदारों में चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। वहीं, पोल पर चढ़ा कर्मचारी भी इस अचानक हुए हादसे से सहम गया, लेकिन पोल के मकान पर टिक जाने की वजह से उसे संभलने का मौका मिल गया और वह सुरक्षित नीचे उतर आया। इस घटना में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है।

यातायात रहा बाधित, विभाग ने किया सुधार कार्य

व्यस्त मार्ग पर पोल झुकने और तारों के लटकने के कारण कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया। घटना के तुरंत बाद एहतियात के तौर पर इलाके की बिजली सप्लाई बंद की गई। झुके हुए पोल को हटाया गया और लाइन को दुरुस्त करने का सुधार कार्य शुरू किया गया। इसके साथ ही पोल भी बदला गया। इसके बाद ही लोगों ने राहत की सांस ली।

टिकट जांच से रेलवे की तिजोरी में आए 64 .76 करोड़ रूपये

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में चलाए गए सघन टिकट जांच अभियानों में पांच माह के दौरान 7.80 लाख बिना टिकट, अनियमित टिकट और अनबुक्ड लगेज के मामले पकड़े गए। इनसे अतिरिक्त किराए और जुर्माने के रूप में 64 करोड़ 76 लाख रुपये का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 60 करोड़ 38 लाख रुपये की तुलना में 7.25 प्रतिशत अधिक है। अकेले जबलपुर मंडल में 3.57 लाख मामलों से 31.39 करोड़ रुपये, भोपाल मंडल में 2.61 लाख मामलों से 20.09 करोड़ और कोटा मंडल में 1.49 लाख मामलों से 12.29 करोड़ रुपये वसूले गए। मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड ने भी 13 हजार मामलों में 99 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। रेलवे के अनुसार यात्री ट्रेनों और स्टेशनों पर टिकट जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि सफर से पहले उचित टिकट जरूर लें और बिना टिकट या अनियमित टिकट के साथ यात्रा करने से बचें, ताकि कार्रवाई और जुर्माने की नौबत न आए।

खेत में बिछाया करंट, सात गौवंशों की मौत

▶ किसान के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

जबलपुर। मझगवां थाना अंतर्गत बरने स्थित खेत में शनिवार को अवैध रूप से बिछाए गए करंट वाले तारों की चपेट में आने से सात गोवंशों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बरने निवासी मनीष कुमार यादव (21) ने बताया कि वह शनिवार को अपने, अशोक मेहरा और बल्लू सिंह के कुल 7 गोवंश जंगल में चराने के लिए लेकर गया था। इसी दौरान मवेशी चरते-चरते गांव के ही लालजी राय के खेत की तरफ चले गए। लालजी राय ने अपने खेत में लगी मक्का की फसल को मवेशियों से बचाने के लिए चारों तरफ लोहे का पतला तार बिछा रखा था और उसमें हाई वोल्टेज करंट छोड़ दिया था। जैसे ही मवेशी खेत के पास पहुंचे, वे इस जानलेवा करंट की चपेट में आ गए और सातों गोवंशों ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। जब मनीष मवेशियों को ढूंढते हुए खेत के पास पहुंचा, तो उसे सातों गोवंश मृत हालत में मिले। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मझगवां थाना प्रभारी शंकर लाल ठाकुर ने बताया कि आरोपी खेत मालिक लालजी राय के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकर दर्ज कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि खेत मालिक लालजी राय ने अपनी फसल को आवारा जानवरों से बचाने के लिए खेत के चारों तरफ करंट दौड़ रहा तार बिछा रखा था। चरते समय सातों मवेशी इस करंट वाले तार की चपेट में आ गए और मौके पर ही तड़प-तड़प कर उनकी मौत हो गई।

राज्यसभा सांसद का पता नहीं मिलने के कारण नहीं हो पाया नोटिस सर्व

▶ दूसरे राज्यसभा सांसद ने लेने से किया इंकार

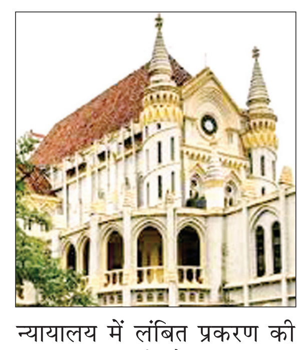

जबलपुर। राज्यसभा सदस्य का नामांकन निरस्त किये जाने को चुनौती देते हुए कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन की तरफ से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने भाजपा के नवनिर्वाचित तीन राज्यसभा सांसद सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट जस्टिस बी पी शर्मा की एकलपीठ को बताया गया कि सांसद रजनीश अग्रवाल का पता नही मिलने के कारण नोटिस सर्व नही हो पाया। इसके अलावा सांसद महेश केवट के नोटिस स्वीकार करने से इंकार कर दिया।

गौरतलब है कि कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन की तरफ से दायर की गयी चुनाव याचिका में कहा गया था कि तेलंगाना की एक अदालत में महिला द्वारा दायर व्यक्तिगत परिवाद में उन्हें प्रतिवादी बनाया था। प्रतिवादी बनाये जाने के कारण न्यायालय ने उनका पक्ष के लिए नोटिस जारी किया था। उनके खिलाफ कोई आपराधिक केस दर्ज या विचाराधीन था। उनके नामांकन पर आपत्ति प्रस्तुत किये जाने पर रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमों के विपरीत जल्दबाजी में न्यायालय में लंबित प्रकरण की जानकारी छुपाने के आधार पर उनका नामांकन निरस्त कर दिया। उन्होंने सुनवाई के दौरान रिटर्निंग अधिकारी को बताया था कि परिवाद में उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं है,सिर्फ औपचारिक तौर पर उन्हे अनावेदक बनाया गया है।

रिटर्निंग ऑफिसर के द्वारा उनका नामांकन नियम विरुद्ध तरीके से निरस्त किया गया है। जिसके कारण उक्त याचिका दायर की गयी है। याचिका में मध्य प्रदेश से निर्वाचित राज्यसभा सदस्य तरुण चुघ,रजनीश कुमार अग्रवाल, महेश केवट, केन्द्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त,रिटर्निंग अधिकारी प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश विधान सभा तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी राज्य चुनाव आयोग को अनावेदक बनाया गया है।

याचिका की सुनवाई के दौरान एकलपीठ को बताया गया कि सांसद तरुण चुघ को भेजी गयी याचिका की कॉपी पढ़ने लायक नहीं है। सांसद रजनीश अग्रवाल का पता नही मिलने के कारण नोटिस सर्व नही हो पाया है। सांसद महेश केवट ने नोटिस स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इसके अलावा केन्द्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त,रिटर्निंग अधिकारी प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश विधान सभा तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी राज्य चुनाव आयोग की तरफ से याचिका से उनका नाम विलोपित किये जाने की मांग करते हुए आवेदन पेश किया। याचिकाकर्ता की तरफ से बताया गया कि सांसद रजनीश अग्रवाल के द्वारा चुनाव आयोग में दिये गये फार्म के पते पर नोटिस सर्व किया गया था।

एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि सांसद तरुण चुघ को पिटिशन की कॉपी तथा दस्तावेज ई-मेल के माध्यम से भेजने के निर्देष याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को दिये है। सांसद रजनीष अग्रवाल को आरएडी मोड से नोटिस भेजे जाये। सांसद महेश केवट को भेजा गया नोटिस सर्व हुआ मांगा जाये और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए एक अवसर प्रदान किया जाता है। नाम हटाने के लिए दायर आवेदन पर याचिकाकर्ता अपना जवाब पेश करें।

विरोध | चुंगी नाका से दीनदयाल तक जर्जर सड़क को लेकर जताया आक्रोश

पदयात्रा निकालकर कांग्रेस पार्षद दल ने जताया विरोध

नवभारत,जबलपुर। नगर कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शहर की खस्ताहाल सड़कों एवं नगर निगम की बदहाल अव्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस पार्षद दल द्वारा शनिवार को चुंगी नाका से आई.टी.आई. गेट तक प्रतीकात्मक पदयात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने बताया कि चुंगी नाका से दीनदयाल तक की सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। सड़क की बदहाली के कारण यहां लगातार धूल के गुबार उड़ रहे हैं, जिससे राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री मिश्रा के अनुसार चुंगी नाका से दीनदयाल तक की बदहाल सड़क और उड़ता धूल का गुबार एवं गड्ढे नगर निगम के कथित विकास तथा 2200 करोड़ रुपये के बजट के जमीनी क्रियान्वयन की पोल खोल रहा है।

2200 करोड़ का बजट तो सड़कें इतनी बदहाल क्यों

नेता प्रतिपक्ष ने ये भी कहा कि 2200 करोड़ रुपये का बजट यदि वास्तव में जनता के विकास के लिए है, तो शहर की सड़कें इतनी बदहाल क्यों हैं? विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, पार्षद सत्येंद्र चौबे, नामी दीक्षित, पूर्व पार्षद मदन लारिया, पूर्व पार्षद ताहिर अली, सोनू बाजपेयी, अन्नू तिवारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोनू कुकरेले, दीपेश मिश्रा, रविंद्र गौतम ,राजेंद्र अहिरवार सहित कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57